प्रौद्योगिकी का व्यावसायीकरण
एयरलिफ्ट आधारित बायोफ्लोक जलीय कृषि प्रणाली (एबीएएस-2024)
भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान ने मुंबई के मेसर्स प्लास्टिक्राफ्ट कॉर्पोरेशन को एयरलिफ्ट आधारित बायोफ्लोक जलीय कृषि प्रणाली (एबीएएस-24) प्रौद्योगिकी का व्यावसायीकरण किया। इस प्रौद्योगिकी का विकास एवं वैधीकरण श्री जाकिर हुसैन, डॉ. देबजीत सरमा, डॉ. चंद्रकांत एम.एच. (प्रमुख आविष्कारक) और डॉ. ए.के. वर्मा, डॉ. बबीता रानी और डॉ. कपिल सुखदाने, जलीय कृषि विभाग, भा.कृ.अनु.प.-के. मा.शि.सं., मुंबई के द्वारा किया गया था। व्यावसायीकृत प्रौद्योगिकी में अनूठी विशेषताएं हैं, जैसे कि कम कीचड़-संचय और पालन- प्रणाली के भीतर इष्टतम घुलित ऑक्सीजन के स्तर का रखरखाव, प्रमुख जल गुणवत्ता मापदंडों जैसे कि समूहीकृत अमोनिया, नाइट्राइट, जैविक ऑक्सीजन मांग (बीओडी), घुलित कार्बनडाइऑक्साइड, कुल प्रलंबित ठोस (*TSS*), पीएच और सफल बायोफ्लोक जलीय कृषि संचालन के लिए आवश्यक स्तर के भीतर तापमान का रखरखाव आदि। यह फोम विघटीकरण के माध्यम से प्रोटीन स्किमर के रूप में कार्य करता है और पालन-वातावरण से घुलित कार्बनडाइऑक्साइड को हटाने में सहायता करता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि पारंपरिक बायोफ्लोक प्रणालियों की तुलना में एबीएएस-24 प्रणाली में मछली के विकास और समग्र स्वास्थ्य में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

समझौता ज्ञापन पर भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं. के निदेशक और कुलपति डॉ. सी.एन. रविशंकर और प्लास्टिक्राफ्ट्स कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक श्री विराग जगदीश शिवपुरी ने 18 दिसंबर, 2024 को हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर जलीय कृषि विभाग के अध्यक्ष डॉ. देबजीत सरमा, आईटीएमयू-के.मा.शि.सं. के प्रभारी डॉ. एस.पी. शुक्ला और आविष्कारकों की टीम के सदस्य उपस्थित थे।